

ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन आज की सबसे गंभीर चुनौती : भूरिया



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने बड़े ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वर्षा की अनियमितता, प्लास्टिक प्रदूषण और जल संकट को आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियां बताया।

सुश्री भूरिया ने कहा कि मानव गतिविधियों के कारण प्रकृति पर लगातार दबाव बढ़ रहा है, जिसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हमें समृद्ध प्राकृतिक विरासत दी है, जिसे संरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल पौधारोपण कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। अभियान के तहत झाबुआ जिले में 21 जून तक 1 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई 5 दिनों में 1.45 करोड़ की संपत्ति जब्त



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पूरे प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पिछले 5 दिनों के भीतर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1 करोड़ 45 लाख रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ और संपत्ति जब्त की है। इस दौरान गांजा, स्मैक, अफीम, एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा सहित कई नशीले पदार्थ पकड़े गए हैं तथा कई तस्करी को गिरफ्तार किया गया है।

बड़वानी जिले में बरला थाना पुलिस ने ग्राम पांजरिया से 1 क्विंटल 47 किलोग्राम गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। शिवपुरी में दो मामलों में स्मैक, नगदी और वाहन सहित

पर्यावरण संरक्षण सभी की साझा जिम्मेदारी : टेटवाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को साझा जिम्मेदारी है। वे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने बताया कि प्रदेश की सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में 200-200 पौधे लगाए जाएंगे तथा ग्लोबल स्किल्स पार्क में 1000 पौधों का रोपण किया जाएगा।

बड़वानी जिले में बरला थाना पुलिस ने ग्राम पांजरिया से 1 क्विंटल 47 किलोग्राम गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। शिवपुरी में दो मामलों में स्मैक, नगदी और वाहन सहित



अभियान अयोध्या बायपास बनेगा ग्रीन कॉरिडोर, विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर जोर... प्रदेश में सड़क निर्माण के साथ हरित विकास को मिलेगा नया आयाम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में सड़क एवं परिवहन अधोसंरचना के विकास को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की अवधारणा के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल आधुनिक सड़क नेटवर्क तैयार करना नहीं है, बल्कि विकास कार्यों के साथ हरित आवरण को भी मजबूत करना है। अयोध्या बायपास परियोजना को इस दिशा में एक मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत 7,871

पेड़ों की कटाई के एवज में लगभग 80 हजार पौधे लगाए जाएंगे, जो लगभग दस गुना अधिक प्रतिपूर्ति होगी। इसके अलावा बायपास के दोनों ओर करीब 10 हजार पौधे लगाकर इसे ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल पर्यावरणीय संतुलन को बनाए



रखने के साथ-साथ क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को भी बढ़ाएगी। झिरनिया और इगरीया खुर्दू क्षेत्रों में लगभग 70 हजार पौधों के रोपण की तैयारी पूरी कर ली गई है, जिसे आगामी मानसून में लागू किया जाएगा। पौधारोपण अभियान के तहत क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में अयोध्या बायपास चौड़ीकरण परियोजना पर

विशेष चर्चा की गई, जिसमें बड़े यातायात दबाव को देखते हुए इसे आवश्यक बताया गया। परियोजना के अंतर्गत पेयजल व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं के सुचारु संचालन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। एनएचएआई और नगर निगम के बीच समन्वय स्थापित कर तकनीकी कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सरकार का मानना है कि यह परियोजना भविष्य में सतत और पर्यावरण अनुकूल विकास का उदाहरण बनेगी।

विशेष चर्चा की गई, जिसमें बड़े यातायात दबाव को देखते हुए इसे आवश्यक बताया गया। परियोजना के अंतर्गत पेयजल व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं के सुचारु संचालन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। एनएचएआई और नगर निगम के बीच समन्वय स्थापित कर तकनीकी कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सरकार का मानना है कि यह परियोजना भविष्य में सतत और पर्यावरण अनुकूल विकास का उदाहरण बनेगी।

दावा ऐसा कि माफिया भी शर्मा जाए, नतीजा ऐसा कि सब चौक जाए...

साहब ने बैंक में इतनी जोरदार घोषणा की कि जिले से नशे का कारोबार पूरी तरह खत्म हो चुका है। सुनने वालों को लगा कि अब शायद नशा माफिया को दूसरे ग्रह पर कारोबार करना पड़ेगा। लेकिन माफिया ने भी शायद साहब की बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया। कुछ ही दिनों बाद करोड़ों रुपये की नशे में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद हो गई। अब लोग पूछ रहे हैं कि नशा गया था या सिर्फ आंकड़ों में गायब हुआ था? फिलहाल साहब के दावों की चर्चा, बरामद माल से ज्यादा हो रही है।

फाइल बंद समझी थी, लेकिन जिन फिरोतल से बाहर आ गया...

एक समय के चर्चित तारा कप्तान साहब को लगा था कि जिले से विदाई के साथ एक पुराना मामला भी इतिहास बन जाएगा। लेकिन किस्मत को शायद कुछ और मंजूर था। मामला फिर से उठ खड़ा हुआ है और अब चर्चाओं का बाजार गर्म है। जानकार मुस्कुरा कर कह रहे हैं कि कुछ फाइलें ऐसी होती हैं, जो अलमारी में नहीं, वक्त की जेब में रखी रहती हैं।

पुलिस मुख्यालय के चर्चे...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

आकर्षण गुरुत्वाकर्षण से भी ज्यादा ताकतवर होता है।

मौका मिल जाए, फिर देखिए कमाल...

नई पदस्थापना की चर्चाओं के मौसम में एक साहब ने अपने शुभचिंतक माननीय के दरबार में हाजिरी लगाई। संदेश सीधा था— 'एक मौका दे दीजिए, फिर शिकायत का अवसर नहीं मिलेगा।' अब साहब को मौका मिले या न मिले, लेकिन उनके प्रयासों की चर्चा जरूर दूर-दूर तक पहुंच गई है। कहते हैं कि कुर्सी का

एक हाईप्रोफाइल प्रकरण में फोन की घंटियां अब कई लोगों की धड़कनें बढ़ा रही हैं। जिन लोगों को कभी लगा था कि एक कॉल से ज्यादा उनका कोई संबंध नहीं है, वे अब हर मिलने वाले को यही समझा रहे हैं कि 'हम तो बस सुन रहे थे।' लेकिन जांच एजेंसियां सुनने और समझने के बीच का अंतर तलाशने में लगी हैं।

हनी ट्रैप-2 और सफाई का सीजन...

हनी ट्रैप-2 की आहट के साथ कुछ चेहरे बिना नाम आए ही बेचैन दिखाई देने लगे हैं। दिलचस्प बात यह है कि आरोप अभी तय नहीं हुए, लेकिन सफाईयां पहले से तैयार हैं। साथी लोग मुस्कुराकर बस इतना कह रहे हैं कि जब दाढ़ी में तिनका न हो तो आदमी बार-बार आईना नहीं देखता।

भरोसा इतना कि शक होने लगा...

सीमावर्ती जिले में नशे के खिलाफ अभियान जारी है, लेकिन कारोबार भी पूरे आत्मविश्वास से चल रहा है। अब लोग कह रहे हैं कि या तो नशा माफिया बहुत प्रतिभाशाली है, या फिर किसी का भरोसा कुछ ज्यादा ही मजबूत है। चर्चा यह भी है कि जहां धुआं लगातार उठता रहे, वहां सिर्फ मौसम को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।